सार समाचार

एस पी बालासुब्रह्मण्यम की हालत नाजुक

चेन्नई, भाषा। कोविड-19 से लड़ रहे प्रसिद्ध पार्श्व गायक एस पी बालासुब्रह्मण्यम की हालत नाजुक बनी हुई है और वह जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं। उनका इलाज कर रहे अस्पताल ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बीच, उनके प्रशंसकों से लेकर तमाम हस्तियां बालासुब्रह्मण्यम के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। उनके बेटे एस पी चरण ने कहा कि उनके पिता की हालत 'स्थिर' है। इस बीच, द्रमुक प्रमुख एम के स्टालिन और अभिनेता रजनीकांत ने बालासुब्रह्मण्यम के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उनके लाखों प्रशंसक उनके लिए लगातार दुआएं कर रहे हैं। वह पांच अगस्त से एमजीएम हेल्थकेयर में भर्ती हैं। अस्पताल ने कहा, ' कोविड-19 के कारण एमजीएम हेल्थकेयर में भर्ती एस पी बालासुब्रह्मण्यम आईसीयू में हैं और उन्हें लगातार जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है।' अस्पताल के सहायक निदेशक (चिकित्सा सेवा) डॉ अनुराधा बासकरन ने कहा, ' उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। चिकित्सा विशेषज्ञों का एक दल करीबी तौर पर उनकी निगरानी कर रहा है।'

वरिष्ठ पत्रकार एन जे नायर का निधन

तिरुवनंतपुरम, भाषा। वरिष्ठ पत्रकार एन जे नायर का हृदयाघात के कारण सोमवार तड़के निधन हो गया। वह 58 साल के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। वह अंग्रेजी अखबार ' द हिंदू ' के डिप्टी एडिटर थे । केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने उनके निधन पर शोक जताया है । राज्यपाल ने एक ट्वीट में कहा, ''पत्रकारिता के प्रति उनका (नायर का) समर्पण लंबे समय तक याद रखा जाएगा । शोकाकुल परिवार के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। '' नायर को प्रतिष्ठित पत्रकार बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक उत्कृष्ट राजनीतिक संवाददाता थे। विजयन ने कहा कि केरल के उद्योग, वाणिज्य, वित्त और ऊर्जा क्षेत्र पर उनकी खबरों से पाठकों को व्यापक जानकारी मिलती थी। उनका निधन पत्रकारिता के लिए बड़ी क्षति है। उनके पार्थिव शरीर को तिरुवनंतपुरम प्रेस क्लब में रखा गया ताकि मीडिया बिरादरी के लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें ।

प्रशासन/ राजनीति

कमलनाथ सरकार को सिंधिया ने 'भ्रष्टाचारी', 'अत्याचारी' बताया

इंदौर ■ भाषा

मध्य प्रदेश में कमलनाथ की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य के कांग्रेस नेता कुर्सी के लिये छटपटा रहे हैं और उन्हें जनता की सेवा से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस का दामन छोड़कर पांच महीने पहले भाजपा में शामिल होने वाले सिंधिया ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'चूंकि राज्य में कांग्रेस की कुर्सी (सत्ता) चली गयी है। इसलिये कांग्रेस के नेता छटपटा रहे हैं। वे चाहते हैं कि उन्हें किसी भी तरह कुर्सी वापस मिल जाये। उन्हें जनता की सेवा और उससे किये वादे पूरे करने से कोई सरोकार नहीं है।'

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह बयान उस सवाल पर दिया जिसके जरिये कमलनाथ के इस दावे पर प्रतिक्रिया मांगी गयी थी कि राज्य के आगामी उपचुनावों में कांग्रेस फिर से सत्ता में आने जा रही है।

सिंधिया ने कहा, 'हमें विश्वास है कि जनता भाजपा के साथ है और ऐसे लोगों (कांग्रेस नेताओं) को आने वाले दिनों में जनता की अदालत में कड़ा जवाब मिलेगा।' उन्होंने पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार को 'भ्रष्टाचारी', 'अत्याचारी' और 'दोगली' बताते हुए कहा, 'हमें कुर्सी की फिक्र कभी नहीं रही। यही कारण है कि छह काबीना मंत्रियों समेत 22 जन

प्रतिनिधियों ने तत्कालीन राज्य सरकार के विरुद्ध सत्य की राह पकड़ने में एक क्षण भी नहीं लिया।'

गौरतलब है कि सिंधिया की सरपरस्ती में कांग्रेस के 22 बागी विधायकों के त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल होने के कारण तत्कालीन कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गयी थी। इस कारण कमलनाथ को 20 मार्च को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा 23 मार्च को राज्य की सत्ता में लौट आयी थी। सिंधिया ने कहा, 'मुझे इस बात का गर्व है कि मैंने अपनी दादी (विजयाराजे सिंधिया) और पिता (माधवराव सिंधिया) की तरह परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जनता के लिये सत्य का झंडा उठाया है।'

सिंधिया के दल-बदल के बाद कांग्रेस उन पर निजी हमले कर रही है। इस बारे में किये गये सवाल पर 49 वर्षीय राज्यसभा सांसद ने कहा, ₹मेरे लिये अंतरात्मा की आवाज और जनता के प्रश्नों के उत्तर देना सबसे महत्वपूर्ण है, न कि पूर्व मुख्यमंत्री (कमलनाथ) और अन्य कांग्रेस नेताओं के प्रश्नों के उत्तर देना। उन्होंने आरोप लगाया, '(कमलनाथ नीत) कांग्रेस सरकार ने सूबे में अपने केवल 15 महीने के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी के इतने कीर्तिमान स्थापित कर दिये, जितने कीर्तिमान मैंने अपने 20 साल के सार्वजनिक जीवन में नहीं देखे हैं।' सिंधिया ने राज्य में कोविड-19 के प्रकोप के लिये पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, 'तत्कालीन मुख्यमंत्री (कमलनाथ) ने क्या कोविड-19 की रोकथाम के लिये एक बैठक तक रखी थी?' उन्होंने दावा किया कि शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री बनने के बाद फिलहाल राज्य में इस महामारी की स्थिति 'पूरी तरह नियंत्रण में' है।

श्रमिकों पर प्राथमिकी के विरोध में शाह को पत्र

नई दिल्ली, वार्ता। श्रमिकों ने देशभर में विरोध प्रदर्शन के कारण मजदूरों पर दर्ज की गयी प्राथमिकी वापस लेने की मांग करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित को पत्र लिखा है और कहा है कि सरकारी की कथित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवज उठाना अपराध नहीं है।

श्रमिक नेता अमरजीत कौर ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि आठ और नौ अगस्त के दौरान अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे श्रमिकों और श्रमिक नेताओं के खिलाफ देशभर में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। ये प्राथमिकी दिल्ली, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, पंजाब, बिहार और झारखंड में दर्ज की गयी है।

केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने श्री शाह को लिखे पत्र में कहा है कि श्रमिक श्रम नीतियों, सार्वजनिक उपक्रमों में विनिवेश और उनके निजीकरण के विरोध में तथा कोरोना महामारी के अग्रिम योद्धा डाक्टरों, नर्सों, तकनीकी कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों, निगम कर्मियों, आशा, आंगनवाडी और मध्यांन्ह भोजन कार्यकर्ताओं के अधिकारों के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। महामारी के दौरान सरकार के कदमों से परेशान लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन श्रमिक संगठनों में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस, ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस, हिन्द मजदूर सभा, सेंटर फॉर ट्रेड यूनियन, ऑल इंडिया युनियन ऑफ युनियंस कांग्रेस, ट्रेड यूनियन कांग्रेस कमिटी, सेल्फ इम्प्लायड वूमेंस एसोसिएशन, युनाईटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस, ऑल इंडियन सेंट्रल कौंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस और लेफ्ट पीपुल्स फ्रंट शामिल हैं। श्रमिक नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र के हित में श्रमिकों, श्रमिक नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकियों को तुरंत वापस लेने के निर्देश दिये जाने चाहिए। पत्र के अनुसार प्रदर्शन कर रहे सभी लोगों ने मास्क पहना और परस्पर सुरक्षित दूरी के मानक का पूरी तरह से पालन किया।

नायडू आज करेंगे अटल रैंकिंग की घोषणा

नई दिल्ली ■ वार्ता

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू नवाचार और उद्यमशीलता के क्षेत्र में श्रेष्ठ संस्थानों को पुरस्कृत करने के लिए अटल रैंकिंग की घोषणा मंगलवार को करेंगे ।

इस समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, शिक्षा राज्यमंत्री संजय धोत्रे, उच्च शिक्षा सचिव अमित खरे तथा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष अनिल शास्त्री बुद्ध आदि मौजूद रहेंगे। अटल रैंकिंग योजना के तहत देश के तकनीकी संस्थानों को छह श्रेणियों में पुरस्कृत किया जाएगा और इनमें एक विशेष पुरस्कार महिलाओं को दिया जाएगा जिन्होंने नवाचार और उद्यमशीलता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार महिलाओं को छोड़कर शेष पांच श्रेणियों में पहली श्रेणी केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों, दूसरी श्रेणी राज्यों के संस्थानों, तीसरी श्रेणी राज्यों द्वारा वित्त पोषित स्वायत्त शिक्षा संस्थानों, चौथी श्रेणी डीम्ड विश्वविद्यालय और पांचवीं श्रेणी प्राइवेट विश्वविद्यालय की होगी। विज्ञप्ति के अनुसार अटल रैंकिंग योजना के दो श्रेणियों में 15 संस्थानों को श्रेष्ठ संस्थाओं के रूप में चयनित किया गया था।

ट्रांसजेंडर के लिए सीटें आरक्षित

कोलकाता, भाषा। पश्चिम बंगाल में निजी बस संचालकों के एक संगठन ने अपनी बसों में ट्रासजेंडरों के लिए दो सीटें आरक्षित करने का निर्णय किया है। 'ज्वाइंट काउंसिल ऑफ बस सिंडिकेट' के महासचिव तपन बनर्जी ने कहा कि संगठन से जुड़ी प्रत्येक बसों में दो सीटें 'त्रिधारा (ट्रांसजेंडर)' के लिए आरक्षित की जाएंगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में 35,000-40,000 बसें उनके संगठन से संबद्ध हैं। बनर्जी ने कहा, '' मामला सिर्फ दो सीटों को आरक्षित करने का नहीं है बल्कि लोगों के बीच ट्रांसजेंडर को पहचान देने और उनके साथ बराबरी का बर्ताव करने को लेकर जागरूकता फैलाने का भी है।''

फेसबुक ने आरोपों पर दी सफाई

कहा, नफरत फैलाने वाली सामग्री पर अंकुश लगाते हैं, पर अभी और कदमों की जरूरत।

नई दिल्ली ■ भाषा

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने भारत में केंद्र में सत्तारूढ़ दल का समर्थन करने के आरोपों के बीच सोमवार को सफाई दी कि उसके मंच पर नफरत या द्वेष फैलाने वालों ऐसे भाषणों और सामग्री पर अंकुश लगाया जाता है, जिनसे हिंसा फैलने की आशंका रहती है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि उसकी ये नीतियां वैश्विक स्तर पर लागू की जाती हैं और इसमें यह नहीं देखा जाता कि यह किस राजनीतिक दल से संबंधित मामला है। कंपनी भारत को अपना प्रमुख बाजार मानती है। फेसबुक ने इसके साथ ही यह स्वीकार किया है कि वह नफरत फैलाने वाली सभी सामग्रियों पर अंकुश लगाती है, लेकिन इस दिशा में और बहुत कुछ करने की जरूरत है। फेसबुक प्रवक्ता ने कहा, ''हम हिंसा को बढ़ावा देने वाले भाषणों और सामग्री पर रोक लगाते हैं। हम वैश्विक स्तर पर इन नीतियों को लागू करते हैं। इसमें किसी राजनीतिक दल या विचारधारा का ध्यान नहीं दिया जाता। हम जानते हैं कि अभी और बहुत कुछ करने की जरूरत है, हम प्रवर्तन की दिशा में प्रगति कर रहे हैं। किसी तरह के पक्षपात को रोकने के लिए हम नियमित रूप से अपनी प्रक्रियाओं का ऑडिट करते हैं।'' फेसबुक के पक्षपातपूर्ण रवैये को लेकर सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्योरोप चल रहे हैं। इन घटनाक्रम के बीच फेसबुक का यह बयान आया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि फेसबुक द्वारा राष्ट्रवादी आवाजों को 'सेंसर' किया जा रहा है। वहीं कांग्रेस ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि फेसबुक की सामग्री से जुड़ी नीतियां भाजपा का पक्ष लेने वाली हैं।

बिहार के पूर्व मंत्री श्याम रजक राजद में शामिल

पटना ■ भाषा

बिहार मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए गए जदयू के पूर्व नेता श्याम रजक सोमवार को अपनी पुरानी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल हो गए। पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित राजद उपाध्याक्षा और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, जगदानंद सिंह और पार्टी के अन्य नेताओं की मौजूदगी में रजक राजद में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इन अटकलों के बीच कि रजक मंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं और राजद में शामिल हो सकते हैं, रविवार को रजक को राज्य मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने के साथ ही पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में उन्हें छह साल के लिए जदयू से निष्कासित कर दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि पटना जिले के फुलवारीशरीफ से विधायक रजक को आशंका थी कि साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू द्वारा उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया जा सकता है।

रजक नीतीश सरकार में उद्योग मंत्री थे। वह प्रदेश की पूर्व राजद सरकार में भी मंत्री रहे थे।

रजक ने राजद में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'मैंने कभी भी सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों से समझौता नहीं किया, जो हमने अपने नेता लालू प्रसाद से सीखा था।' उन्होंने कहा, "यह जानकर काफी हास्यास्पद लगा कि मुझे कल रात 10 मिनट के भीतर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। मैं पार्टी के राष्ट्रीय परिषद का सदस्य रहा हूं और चुनाव के दौरान अपने पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार का प्रस्तावक भी था लेकिन उन्होंने पार्टी के संविधान के प्रावधानों का पालन किए बिना मुझे 10 मिनट के भीतर निष्कासित कर दिया। उस पार्टी का क्या होगा जो अपने संविधान का पालन नहीं करती है।" वहीं, राजद नेता तेजस्वी ने रजक का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि "वह घर आ रहे हैं। हम खुश हैं। वे सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों में विश्वास करते हैं।" उन्होंने आरोप लगाया, "तथाकथित दोहरे इंजन वाली राज्य सरकार में जनप्रतिनिधियों की सुनने वाला कोई नहीं है। नौकरशाही का बोलबाल है। राज्य में अपराध का ग्राफ बढ़ा है और बेरोजगारी बढ़ रही है।" इस बीच, रजक राजद में शामिल होने पर विभिन्न दलों ने प्रतिक्रिया दी है। हाल के दिनों में जदयू के खिलाफ मुखर रहे लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) प्रमुख और जमुई के सांसद चिराग पासवान ने रजक को निकाले जाने को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया है।

शिक्षा मंत्री ने कहा-

राष्ट्र निर्माण में उच्च शिक्षा की भूमिका अहम

नई दिल्ली ■ वार्ता

केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उच्च शिक्षा अहम भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में शिक्षा की पुरानी परंपरा रही है जिसने भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित किया है।

निशंक ने सोमवार को यहाँ राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सभी कुलपतियों के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि भारत ने हमेशा से ज्ञान का सही उपयोग किया है और उससे दुनिया को लाभान्वित किया है।

उन्होंने कहा, "राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उच्च शिक्षा अहम भूमिका

निभाती है. प्राचीन भारत में नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला और वल्लभपुरी जैसे विश्वविद्यालयों का अस्तित्व इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि भारत में शिक्षा की पुरानी परंपरा रही है जिसने भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित किया है। शिक्षा के इन प्राचीन विश्वविद्यालयों ने तिब्बत, चीन, ग्रीस, फ्रांस और मध्य एशिया सहित दुनिया भर के विद्वानों को आकर्षित किया है. वेदों और उपनिषदों के रूप में भारत की ज्ञान प्रणालियों को क्रमशः 1800 ईसा पूर्व और 800 ईसा पूर्व में पता लगाया जा सकता है।"

नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, "नई शिक्षा नीति का विज़न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए नए आयाम स्थापित करना और उन्हें साकार करना होगा। यह नीति न्यू इंडिया बनाने की दिशा में उच्च शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को उनकी भूमिका फिर से परिभाषित करने की स्वतंत्रता देगी।"

उन्होनें बताया कि भारत ने पिछले पांच वर्षों में ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 29 स्थानों की वृद्धि की है, 2014 में भारत की रैंक 81 थी जबकि 2019 में भारत 52 स्थान पर है। उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात 2014-15 से 2018-19 तक 24.3 से बढ़कर 26.3 हो गया है। 2014-15 से 2019-20 तक विश्वविद्यालयों की संख्या 711 से बढ़कर 1028 हो गई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में महिला छात्रों की संख्या 2015-16 में 1871 थी और 2019-20 में यह 3411 थी। पिछले पांच वर्षों के दौरान, शिक्षक प्रशिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन से जुड़े संस्थानों और शिक्षकों की संख्या बढ़ी है जो एक सकारात्मक संकेत है। इस मिशन में 2015-16 में 5,410 की तुलना में 2019-20 में, 175301 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

सुर्खियां

उप्र में जंगल राज कायम: कांग्रेस

लखनऊ ■ भाषा

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को दावा किया कि सरकार जनता को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम हुई है और राज्य में जंगलराज कायम हो गया है।

लल्लू ने यहां एक बयान में प्रदेश में बच्चियों और महिलाओं से होने वाली दरिंदगी के खिलाफ योगी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा, ''प्रदेश बलात्कारियों का हब बन चुका है। पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चली है। महिलाओं को सुरक्षा देने में सरकार पूरी तरह से विफल है।'' उन्होंने कहा कि लखीमपुर में एक किशोरी की बलात्कार के बाद हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हो पाया था कि आज़मगढ़ और योगी की कर्मभूमि गोरखपुर में बलात्कार की घटना ने झकझोर दिया है।

उन्होंने कहा, ''आज़मगढ़ में किशोरी से सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या की गयी, वहीं गोरखपुर में बलात्कार के बाद दरिंदो ने सारी हदें तोड़ते हुए दलित किशोरी के शरीर को सिगरेट से दागा। लगातार इस तरह घटनाओं से यह साबित होता है कि महिलाओं को सुरक्षा देने में यह सरकार पूरी तरह विफल है।'' लल्लू ने कहा कि अपराधियों के मन में कानून का डर समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन न तो सुरक्षा दे पा रहा है और न ही कोई ठोस न्याय संगत कार्यवाही ही कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था दुरुस्त करने और कड़े फैसले लेने के बजाय टीम 11 बना रखी है जो मुख्य रूप से कानून व्यवस्था को लेकर फर्जी आंकड़े जुटाती है और जनता को गुमराह करती है। क्या तथाकथित 'योगी मॉडल' की यही सच्चाई है?''

निर्विरोध चुने गये जय प्रकाश निषाद

लखनऊ, भाषा। भाजपा उम्मीदवार जय प्रकाश निषाद उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए सोमवार को निर्विरोध चुन लिये गये। राज्य में सपा नेता बेनी प्रसाद वर्मा के निधन से रिक्त हुई राज्यसभा सीट पर भाजपा के निषाद को निर्विरोध चुना गया।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने 'भाषा' को बताया कि निषाद को निर्वाचन अधिकारी ने प्रमाण पत्र सौंपा। इस दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। दीक्षित ने बताया कि निषाद का निर्विरोध चुना जाना तय था क्योंकि कोई दूसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निषाद के निर्विरोध चुने जाने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। यह जानकारी राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने दी। राज्यसभा की यह सीट सपा के वरिष्ठ नेता बेनी प्रसाद वर्मा के निधन के कारण रिक्त हुई थी।

माकन ने कार्यभार संभाला, पायलट ने मुलाकात की

नई दिल्ली, भाषा। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कांग्रेस के नवनियुक्त महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अजय माकन से सोमवार को मुलाकात की। इस बीच, माकन ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पहुंचकर कार्यभार संभाला। पायलट ने सोमवार को ट्वीट कर माकन से उनके आवास पर मुलाकात की जानकारी दी।

प्रादेशिक : समाचार

समाचार-आसपास

बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत

रायसेन, भाषा। मध्य प्रदेश में रायसेना जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर बेगमगंज थाना क्षेत्र के बांसादेही गांव के पास सड़क किनारे बारिश के पानी से भरे एक गड्ढे में डूबने से सोमवार को दो बच्चों की मौत हो गयी। अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) ओपी त्रिपाठी ने बताया कि बेगमगंज थाना क्षेत्र में ग्राम बांसादेही से ग्राम जेरा तक एक सड़क का निर्माण एक निजी कंपनी द्वारा किया जा रहा है। सड़क निर्माण के लिये सड़क के पास ही जमीन से मुरम मिट्टी खोदकर उपयोग में ली गयी। इससे गड्ढे हो गये तथा बारिश में इन गड्ढों में पानी भर गया। उन्होंने बताया कि सोमवार को बांसादेही गांव के तीन बच्चे निकिल राज (14) , अनुज राज (10) और आशीष राज (11) पानी से भरे एक गड्ढे में नहाने गये थे। नहाने के दौरान अचानक अनुज पानी में डूबने लगा तो उसे बचाने के प्रयास में निकिल भी उसकी ओर गया लेकिन दोनों पानी में डूबने लगे। जबकि तीसरे बच्चे आशीष ने भागकर गांव वालों को इसकी खबर दी। उन्होंने बताया कि जब तक गांव वाले घटनास्थल पर पहुंचे तब तक दोनों बच्चों की मौत हो चुकी थी।

चौहान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नई दिल्ली, भाषा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चेतन चौहान का सोमवार को समीपवर्ती हापुड़ जिले स्थित गढ़मुक्तेश्वर के ब्रज घाट में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। कोविड-19 से जुड़ी जटिलताओं के कारण उनका निधन हो गया था। एक महीने से अधिक समय तक इस संक्रमण से जूझने के बाद 73 साल के चौहान ने रविवार को गुरुग्राम के अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को पहले राजधानी के मयूर विहार में उनके निवास स्थान पर ले जाया गया और फिर गढ़मुक्तेश्वर के ब्रज घाट में अंतिम संस्कार किया गया। चौहान उत्तर प्रदेश कैबेनेट में सैनिक कल्याण, होमगार्ड और नागरिक सुरक्षा मंत्री थे। वह अमरोहा से दो बार सांसद भी रह चुके थे। चौहान के पार्थिव शरीर को सोमवार की दोपहर अमरोहा से ब्रजघाट लाया गया जहां पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ,जिलाधिकारी अदिति सिंह ,एसपी संजीव सुमन और भाजपा विधायकों एवं नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्हें सलामी दी गई। चौहान के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण प्रशासन ने सावधानी बरतते हुए तय मापदंडों के तहत अंतिम संस्कार कराया। भाजपा नेता के शव को उनके पुत्र विनायक चौहान ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने वाले दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, ''पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में कई नौकरशाह ने हिस्सा लिया और उनके अंतिम दर्शन के लिए काफी संख्या में लोग मौजूद थे।''

सूचनार्थ

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण राजस्थान सरकार के पत्र क्रमांक F1(4)/DEIAA/DEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.B-2/File No. (999) 16-17 Bhilwara / 4605-17 दिनांक 12/08/2016 के द्वारा श्रीमती नीतू मेहता W/o. श्री दीपक मेहता, निवासी आर. सी. व्यास कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) को निकट ग्राम नंगपुरा, तहसील आसींद, जिला भीलवाड़ा (राज.) में स्थित खनन पट्टा सं. 47/2005 क्षेत्रफल 4.5525 हैक्टेयर वास्ते खनिज कवार्टज & फैल्सफार के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति DEIAA एवं राजस्थान राज्य प्रदुषण नियंत्रण मण्डल के कार्यालय में जनसाधारण के लिए उपलब्ध है।

श्रीमती नीतू मेहता

टाइटन बायोटेक लिमिटेड

CIN: L74999RJ1992PLC013387

पंजी. कार्यालय: ए-902ए, रीको इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-III, भिवाड़ी-301019

फोन: 01127674615

ई-मेल: cs@titanbiotechltd.com/ hrd@titanbiotechltd.com

वेबसाईट : www.titanbiotechltd.com

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक सोमवार, 24 अगस्त, 2020 को टीयू-40, पीतमपुरा नई दिल्ली 110034 में बोर्ड मीटिंग के एजेंडे में उल्लिखित वार्षिक आम बैठक और अन्य मामलो को बुलाने के उद्देश्य से बीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो-विजुअल के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

इसके अलावा, **15 अगस्त, 2020 से 26 अगस्त, 2020** तक पदनामित सदस्यों के लिए कंपनी की ट्रेडिंग विंडो बंद रहेगी।

कृते टाइटन बायोटेक लिमिटेड

हस्ता/-

स्थान : नई दिल्ली — चरनजीत सिंह

दिनांक : 14.08.2020 — (कंपनी सचिव)